Assignments for TEE December 2021 and for TEE June 2022

(बीए दर्शनशास्त्र प्रथम वर्ष)

BPY-001 भारतीय दर्शन-I

टिप्पणी:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. उद्दालक इस सिद्धान्त कि आरम्भ में असत् था, का विरोध किस तरह करते हैं? उद्दालक के ब्रह्माण्डीय सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

टिप्पणी लिखिए, 10+10= 20

अ) जैन दर्शन में *द्रव्य*

आ) बौद्ध दर्शन में *प्रतीत्यसमुत्पाद*

2. क्या आप मानते हैं कि विविधता में एकता उपनिषद का केन्द्रीय विचार है? अपने उत्तर के समर्थन में युक्तियां प्रस्तुत कीजिए। 20

अथवा

उपनिषद् क्या है? बृहदारणयक उपनिषद् के केन्द्रीय विचार की चर्चा कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

अ) छान्दोग्य उपनिद् में प्रदर्शित कारण-कार्य विचार की चर्चा कीजिए। 10

आ) वैदिक दर्शन ऋत् को ब्रह्माण्डीय और नैतिक सिद्धान्त की तरह कैसे वर्णित करते हैं? 10

इ) स्यादवाद क्या है? स्यादवाद की नैतिक महत्ता की चर्चा कीजिए। 10

ई) चार्वाक् दर्शन अनुमान का खंडन किस तरह करता है? चार्वाक के अनुमान के खंडन का मूल्यांकन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) तज्जलानिति के अर्थ पर टिप्पणी दीजिए। 5

आ) कठोपनिषद् की विषय-वस्तु पर लघु निबन्ध लिखिए। 5

इ) बौद्ध दर्शन के वैभाषिक एवं सौतान्त्रिक दर्शन-सम्प्रदायों के ज्ञानमीमांसीय दृष्टिकोण में भेद बताईये। 5

ई) जैन दर्शन में प्रत्यक्ष के प्रकारों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। 5

उ) बौद्ध दर्शन की निर्वाण की अवधारणा पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। 5

ऊ) वैदिक देवताओं के विकासक्रम के विविध संक्रमणों पर टिप्पणी दीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) समत्व मनोभाव 4

आ) जैन दर्शन में *पुदगल* 4

इ) ब्राह्मण ग्रन्थ 4

ई) हिरण्यगर्भ 4

उ) भूमा विद्या 4

ऊ) कैवल्य 4

ए) सम्यक् दर्शन 4

ऐ) अनेकान्तवाद 4

BPY-002 तर्कशास्त्र : शास्त्रीय एवं प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र

टिप्पणी:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**
4. **यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।**

1. परिणामन क्या है? परिणामन के नियमों पर टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

तर्क (रीजनिंग) क्या है? विभिन्न प्रकार के तर्कों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 20

2. परिभाषा क्या है? विभिन्न प्रकारों की परिभाषाओं की व्याख्या कीजिए। किसी को परिभाषित करने की सीमा की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

वाक्यात्मक संयोजक (सेन्टेन्शियल कनेक्टिव्स) पर निबन्ध लिखिए।
20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

   अ) उभयतःपाश (डायलेमा) क्या है? रचनात्मक एवं सरल उभयतःपाश में सोदाहरण भेद कीजिए।10

   आ) पुनर्स्थापन/विस्थापन (रिप्लेसमेन्ट) के नियमों पर टिप्पणी लिखिए। 10

   इ) यदि "कुछ अर्थशास्त्री संगीतकार नहीं हैं" असत्य है। तो, निम्नलिखित कथनों का सत्यता मूल्य निर्धारित कीजिए एवं पूर्वोक्त कथन से इन कथनों का सम्बन्ध बताइये। 5*2= 10

      क) सभी अर्थशास्त्री संगीतकार हैं।

      ख) कुछ अर्थशास्त्री संगीतकार हैं।

      ग) कुछ अर्थशास्त्री गैर-संगीतकार हैं।

      घ) कोई भी अर्थशास्त्री संगीतकार नहीं है।

      ङ) कुछ संगीतकार अर्थशास्त्री हैं।

   ई) अरस्तू के तर्कशात्र की क्या सीमाएं हैं? क्या आप मानते हैं कि प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र ने अरस्तू के तर्कशास्त्र की समस्याओं को हल किया है? 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

   अ) तार्किक श्रेणी/विभाजन (लॉजिकल डिविजन) के नियमों का कथन कीजिए। 5

   आ) विरोध-वर्ग पर टिप्पणी लिखिए। 5

इ) उभयतःपाश का परिहार कैसे किया जा सकता है? 5

ई) प्रतिज्ञप्ति एवं वाक्य में भेद कीजिए। 5

उ) सार्वभौमिक सामान्यीकरण एवं अस्तित्वपरक सामान्यीकरण में भेद कीजिए। 5

ऊ) स्ट्रोक फलन पर टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए।

अ) व्यर्थ परिभाषा का दोष 4

आ) डेगर फलन 4

इ) *मॉडस पॉनेन्स* 4

ई) निरुपाधिक न्यायवाक्य (केटिगोरिकल सिलोजिज्म) 4

उ) प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र 4

ऊ) आपादन (इम्पिल्केशन) 4

ए) द्वि-उपाधिक 4

ऐ) असंगति 4

BPY-003 प्राचीन एवं मध्यकालीन पाश्चात्य दर्शन

टिप्पणी:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**
4. **यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।**

1. चर्चा कीजिए, 10+10= 20

   अ) प्लेटो के दर्शन में प्रत्ययों का सिद्धान्त

   आ) अरस्तू के दर्शन में क्रिया (एक्ट) और सम्भाव्यता (पोटेन्सी)

   अथवा

   चर्चा कीजिए, 10+10= 20

   अ) सुकरात की द्वन्द्वात्मक पद्धति

   आ) नव-प्लेटोवाद की मुख्य विशेषताएं

2. ज़ीनो और स्टोइक के ईश्वर के विचार की तुलना कीजिए। 20

   अथवा

   चर्चा कीजिए, 10+10= 20

   अ) अवेरोस के दर्शन में तर्कबुद्धि के साथ श्रद्धा का समन्वय

   आ) थेल्स का दार्शनिक योगदान

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए।2*10= 20

   अ) "सब कुछ प्रवाह में है" इस सिद्धान्त को स्थापित करने के लिए हेराक्लिट्स ने क्या युक्तियां दीं? 10

   आ) "बहुलता सम्भव नहीं" ज़ीनो ने इस सिद्धान्त को सिद्ध करने के लिए कैसे तर्क किया?10

   इ) प्लेटो के दर्शन में प्रज्ञा (विज्डम) एवं ज्ञान (नॉलेज) में भेद कीजिए। 10

   ई) "प्रज्ञा क्षितिज (हॉरीजोन) की तरह" के विचार की चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए। 4*5= 20

अ) यादृच्छिक अवसर एवं मानवीय विकल्प-चयन में बोइथस द्वारा किए गये भेद पर निबन्ध लिखिए। 5

आ) अक्विनास के दर्शन में अशुभ की समस्या पर टिप्पणी दीजिए। 5

इ) 'विश्वास का अर्थ है सहमति के साथ विचार करना' व्याख्या कीजिए। 5

ई) अरस्तू ने ईश्वर की सत्ता सिद्ध करने के लिए क्या युक्तियां दीं? 5

उ) यहुदी दर्शन की क्या चारित्रिक विशेषताएं हैं? चर्चा कीजिए। 5

ऊ) मनस दर्शन (फिलोसोफी ऑफ माइन्ड) की विषय-वस्तु क्या है? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी कीजिए।5*4= 20

अ) औकहेम का रेज़र (औकहेम का न्याय) 4

आ) स्कॉटस के दर्शन में सत् की एकात्मता 4

इ) मौलिक तत्त्वों (सेमीनल रीजन) का सिद्धान्त 4

ई) लोगोस 4

उ) अविनाशित्व (इन्डिस्ट्रक्टिबिलिटी) का नियम 4

ऊ) प्रयोजनवादी/व्यवहारवादी पद्धति (प्रैग्मेटिज्म मेथड) 4

ए) "मनुष्य सभी वस्तुओं का मापदण्ड है" 4

ऐ) गुफा का रूपक 4

BPY-004 विश्व के धर्म

टिप्पणी:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

4.यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।

1. धार्मिक विश्वास के आधारों पर निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

ऑगस्ट कॉम्टे, मेक्स वेबर और इमाइल दुर्खीम के धर्म सम्बन्धी सामाजिक दृष्टिकोणों की तुलना कीजिए। 20

2. अ) जरथुष्ट्र दर्शन के दो प्राथमिक सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। 10

आ) सिख मत का नैतिक दर्शन 10

अथवा

चर्चा कीजिए,

अ) 'धार्मिक प्रथाएं न्यूरोटिक रूप में', फ्रायड की इस अवधारणा की चर्चा कीजिए। 10

आ) ईसाई मत का नैतिक दर्शन 10

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   - अ) मेक्स वेबर के 'समाज में प्राधिकारी (ऑथोरिटी)' के विचार का मूल्यांकन कीजिए। 10
   - आ) यह दिखाने के लिए कि धार्मिक (धर्मगत्) अनुभव का अपचयन सम्भव नहीं, जॉन हिक किस तरह विटगेन्सटाइन के दर्शन का प्रयोग करता है? चर्चा कीजिए। 10
   - इ) इस्लाम के पांच स्तम्भों की चर्चा कीजिए। 10
   - ई) जैन मत में पंचव्रत के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) शिंटो मत की नैतिक शिक्षाओं पर टिप्पणी लिखिए। 5
   - आ) श्रुति एवं स्मृति के मध्य भेद कीजिए। 5
   - इ) सिख मत में मोक्ष के विचार की व्याख्या कीजिए। 5
   - ई) कन्फ्युशियस के शिक्षा-सम्बन्धी विचार का मूल्यांकन कीजिए। 5
   - उ) "ताओ अनिर्वचनीय है" इसे सिद्ध करने के लिए ताओ दर्शन किस तरह युक्तियां देता है? 5

ऊ) धार्मिक बहुलता के प्रति बहुलतावादी दृष्टिकोण पर टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) *तेह* 4

आ) बहुलता की नैतिक प्रेरणा 4

इ) धार्मिक विश्वास का अनपचयन 4

ई) *टोटेमवाद* 4

उ) *यि* 4

ऊ) *कर्मयोग* 4

ए) *चार आर्यसत्य* 4

ऐ) *ज़कात* 4